प्रधान मंत्री ने "महिलाओं के नेतृत्व में विकास" के महत्त्व पर जोर दिया

नई दिल्ली, 6 मार्च, 2016 : प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने आज केन्द्रीय कक्ष में "महिला जनप्रतिनिधि: सशक्त भारत की निर्माता" संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में प्रतिनिधियों और विशिष्टजनों को सम्बोधित किया ।

यह कहते हुए कि महिला सशक्तीकरण एक मनःस्थिति है, उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि पहले से ही सशक्त महिला जनप्रतिनिधियों को कौन सशक्त कर सकता है? उन्होंने महिलाओं से परिवर्तन के माध्यम के रूप में अपनी शक्ति को पहचानने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि वे अपने अनुभवों से स्थानीय निकायों की महिलाओं को भी लाभान्वित करें । इस सन्दर्भ में प्रधान मंत्री ने "महिलाओं के विकास" की बजाय "महिलाओं के नेतृत्व में विकास " होने की आशा जताई ।

श्री मोदी ने कहा कि "मल्टी टास्किंग" - आधुनिक समय के प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण भाग महिलाओं में स्वभाविक रूप से पाया जाता है और एक प्रभावी प्रबंधक के रूप में उनकी क्षमता; विधायकों के रूप में उनकी भूमिका को अनेक कार्य करने में स्वाभाविक रूप से सक्षम बनाती है। उन्होंने आग्रह किया कि हमें महिलाओं के इस गुण में विश्वास करना चाहिए ताकि उद्देश्यपूर्ण तरीके से उनकी भूमिका को उजागर किया जा सके।

प्रौद्योगिकी की अनिवार्यता पर बल देले हुए प्रधानमंत्री ने महिला विधायकों से सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने मतदाताओं से जुड़ने का अनुरोध किया। उन्होंने इस संबंध में अपने अनुभव का उल्लेख किया और my gov प्लेटफार्म और Narendra Modi App के माध्यम से उन्हें प्राप्त हो रही जानकारी की चर्चा की। इस संबंध में उन्होंने लोक सभा और राज्य सभा की महिला सांसदों के लिए एक ई-पोर्टल बनाने का आह्वान किया ताकि वे प्रभावी तरीके से अपने मतदाताओं से जुड़ सके।

भारत की पूर्व राष्ट्रपति, श्रीमती प्रतिभा पाटील ने लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन को सम्मेलन के आयोजन की पहल करने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि महिला प्रतिनिधि अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता पूर्वक कर रही हैं । उन्होंने जवाहर लाल नेहरू को उद्धृत करते हुए कहा "यदि आप एक लड़के को शिक्षित करते हैं तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं और यदि आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक परिवार को शिक्षित करते हैं" उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि विधायी कार्यों में भाग लेते समय महिला जन प्रतिनिधियों को जेंडर बजटिंग की संवीक्षा करनी चाहिए ताकि

महिला विकास के लिए पर्याप्त धन राशि उपलब्ध हो सकें। उन्होंने निचले स्तर पर अर्थव्यवस्था में और सुधार लाने के लिए विभागों अथवा संस्थाओं की स्थापना की बात भी की। यह टिप्पणी करते हुए कि यदि सभी महिला नेता मिल कर सर्व सम्मति से आवाज उठायें तो यह वास्तव में एक दमदार आवाज़ बन जाएगी, श्रीमती पाटील ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि सभी महिलाओं को दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर और मिलकर धन और बाहुबल के विरुद्ध लड़ना चाहिए।

लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने अपने समापन भाषण में यह आशा व्यक्त की कि इस दो दिवसीय सम्मेलन से प्रतिनिधियों को बहुत कुछ सीखने को मिला होगा और वे इस सम्मेलन से कुछ विशेष अनुभव अपने साथ ले जाएँगी और अपने निर्वाचन क्षेत्रों अथवा कार्य स्थलों में इन्हे उपयोग में लाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मेलन महिला सदस्यों के बीच सेतु बनाने के लिए मंच का कार्य करेगा।

प्रमुख समिति की महिला सदस्यों और अध्यक्षीय शोधकदम के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करने के अलावा उन्होंने सम्मेलन के दौरान निष्ठा पूर्ण सहभागिता और सहयोग के लिए लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा अन्य एजेंसियों को भी धन्यवाद दिया।